पंजाब केसरी 27/03/2026

ई-वेस्ट का सही ढंग से निस्तारण नहीं किया तो मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा : डॉ. रोहित दत्त

अम्बाला, 26 मार्च (बलराम): छावनी के जी.एम.एन. कॉलेज में नैशनल एजुकेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में चल रहे 'टू वीक चैलेंज' के अंतर्गत ई-वेस्ट (इलैक्ट्रॉनिक कचरा) मैनेजमैंट विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कम्प्यूटर एप्लीकेशन, कम्प्यूटर साइंस एवं समाजशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में ई-वेस्ट के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिसके कारण ई-वेस्ट की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि इसका सही ढंग से निस्तारण नहीं किया गया तो यह पर्यावरण संतुलन को प्रभावित कर सकता है और मानव स्वास्थ्य के लिए भी खतरा साबित हो सकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे रिड्यूस, रीयूज, रिसाइकल के सिद्धांतों को अपनाएं और ई-वेस्ट के प्रति जागरूक रहें। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग समाज में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और उन्हें इस दिशा में सक्रिय योगदान देना चाहिए।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता कम्प्यूटर साइंस विभाग की विभागाध्यक्ष उपिंदर कौर ने विद्यार्थियों को ई-वेस्ट के दुष्प्रभावों, उसके सही निस्तारण तथा पर्यावरण संरक्षण में उसकी भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलैक्ट्रॉनिक कचरे का सही प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है, अन्यथा यह पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है।

जी.एम.एन. कॉलेज में ई-वेस्ट मैनेजमैंट विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करतीं वक्ता। (चंद्रमोहन)